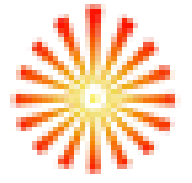


आओ चलें सम्पूर्णता की ओर



○ 28 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ○

⇒ TOTAL MARKS:- 100 ⇐

✽ शिवभगवानुवाच :-

» _ » रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

[[1]] स्वमान का अभ्यास (Marks:-10)

» » मैं बेहद का सेवाधारी हूँ ।

[[2]] गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks:-10)

» » कोई भी सेवा करते बेहद की वृत्ति द्वारा वाइब्रेशन फैलाना

[[3]] बाबा से संबंध का अनुभव (Marks:-10)

» » टीचर

[[4]] होमवर्क (Marks:- 7*5=35)

||✓|| आज पूरा दिन °ज्ञान का चिंतन° करते रहे ?

||✓|| स्वयं को °स्वयं ही चेंज° करने पर अटेंशन रहा ?

||✓|| ज्ञान के °अस्त्र-शस्त्र के श्रृंगार° से शिव शक्ति बनकर रहे ?

||✓|| °बाप और दादा° दोनों को याद किया ?

||✓|| हर संकल्प, हर सेकंड °श्रेष्ठ वाइब्रेशन° फैलाने की सेवा की ?

||X|| °अल्पकाल के सुख° के पीछे तो नहीं गए ?

||X|| "इतना °बिजी रहते हैं°.. टाइम ही नहीं मिलता" - ऐसे संकल्प या बोल तो नहीं बोले ?

✽ अव्यक्त बापदादा (05/11/2014) :-

➤ _ ➤ बापदादा आज आप सबको चैतन्य दीपक के रूप में ही देख रहे हैं और हर एक के प्रति वाह वाह निकल रहा है । सभी खुश हैं! खुश हैं? हाथ उठाओ । वाह! खुशी तो आपकी अपनी चीज है, खुशी कोई और चीज नहीं, अपनी चीज है वह अपने में लाओ बस और क्या करना है! अच्छा ।

[[5]] विशेष अभ्यास (Marks:-15)

➤➤ "°खुशी तो मेरी अपनी चीज़ है°" - आज पूरा दिन यह स्मृति में रहा और खुश रहे ?

[[6]] ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

»» कोई भी सेवा करते बेहद की वृत्ति द्वारा वाइब्रेशन फैलाने के लिए किस पुरुषार्थ पर ध्यान देना आवश्यक है ?

- * सेवा करते स्वयं को आत्मिक स्वरूप में स्थित कर बेहद के बाप की याद में रह निमित्त भाव से कर्म करें ।
- * गोडली सर्वेंट के नशे में रहे ।
- * बीच बीच में ट्रैफिक कण्ट्रोल के समय या अलग से 2-2 मिनट निकालकर वातावरण में सकारात्मक तरंगे फैलाएं ।
- * मैं पन के भान से दूर रहे-मैं कर रहा हु,मैंने किया,मैं ही कर सकता हु..।
- * हम विश्व कल्याणकारी बाप के बच्चे है,विश्व के सेवाधारी।
- * कोई भी सेवा शुरू करने से पहले बाबा का आवाहन करे,उन्हें अपना साथी बनाकर सेवा शुरू करे।
- * अहो!हमारा भाग्य जो भगवान के कार्य में साथी बन सके।
- * करनकरावनहार बाप करवा रहा है,स्वयं को सम्पूर्ण बलिहार कर दें ।

[[7]] ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

>> ज्ञान के अस्त्र-शस्त्र का श्रृंगार हमें किस तरह से शिव शक्ति बना देता है?

* पवित्रता के ज्ञान की खडग से विकारों का गला काट कर शिव शक्ति काली का रूप बन जाता है।

* आत्मिक ज्ञान की तलवार से विषय विकारों से दूर रह वैष्णो देवी बनाते है।

* ड्रामा के ज्ञान से सुदर्शन चक्र धारण कर मन में उठने वाले अशुभ संकल्पों को खत्म कर सर्व को शुभ भावनाओं का दान दे मनसा देवी बनाते है।

* दिव्या गुणों की धारणा से आसुरी वृत्तियों को खत्म कर दुर्गा बनाते है।

* ज्ञान मनन चिंतन से भविष्य की चिन्ता से मुक्त हो चिंतपूर्ण शक्ति बन जाते है।

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स जरूर दें ।

ॐ शान्ति ॐ